**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**

**उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान**

**पाठ 6 : सूचना स्रोतों के प्रकार**

**कार्यपत्रक - 6**

1. हम 'प्राथमिक स्रोतों' को सूचना का प्राथमिक स्रोत क्यों कहते हैं? क्या सीधी जानकारी प्राप्त करने हेतु ये स्रोत द्वितीय स्रोतों की अपेक्षा अधिक सहायक और सरल होते हैं?

2. आप किसी समाचारपत्र की वेबसाइट पर जाइए और देखिए कि क्या उसका ऑनलाइन संस्करण है (जैसे टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदी हिंदुस्तान, या कोई अन्य)। पता करें कि इसका संपादक कौन हे, इस समाचार पत्र की क्या विशेषता है, यह पाठकों में इतना लोकप्रिय क्यों है? उनका विवरण लिखें।

3. भारतीय शोध प्रबंधों के निक्षेपागार शोधगंगा, Inflibnet.ac.in की वेबसाइटों पर जाइए। पता लगाएँ कि ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विषय पर उक्त वेबसाइट पर किसी एक महीने में कितने शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं? किन्हीं पाँच शोध प्रबंधों के नाम लिखिए।

4. पेटेंट सरकार द्वारा प्रदान किए जाते हैं। पेटेंट अधिनियम की वेबसाइट से पता लगाइए कि 1972 के इस अधिनियम के क्या उददेश्य हैं और क्या यह समाज के लिए उपयोगी हैं?

5. इंटरनेट पर एच.डब्ल्यू. विल की 'रीडर्स गाइड टू दि पीरियोडिकल लिटरेचर' को देखें। विषय सूची में ए से ज़ेड तक के किसी एक वर्ण के लिए उल्लिखित समयिकियों की संख्या पता करें।

6. एनआईएससीएआईआर की वेबसाइट (www.isa.niscair.res.in) पर जाइए और “इंडियन साइंस एब्स्ट्रेक्ट" को खोजें। ऐसे दस विषय-क्षेत्रों का पता लगाएँ जहाँ आपको सारकरण का सूचीकरण उपलब्ध हो और उनका विवरण लिखें।

7. आपके मतानुसार क्या किसी ग्रंथालय में मुद्रित जरनल, पत्रिकाएँ और समाचार पत्र होने चाहिए या फिर उन्हें सभी सामयिकियों के इलेक्ट्रोनिक रूप को अपना लेना चाहिए? स्पष्ट करें।

8. व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन पुस्तकों से लेकर दवाओं तक के विभिन्न प्रकार की सामग्रियों, उत्पादों अथवा सेवाओं के निर्माताओं व वितरकों द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले सूचना-उत्पाद हैं। इस प्रकार के व्यापारिक साहित्य का मूल उद्देश्य भावी ग्राहकों के समक्ष उत्पाद, सामग्री या सेवाओं की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करना व उनकी बिक्री बढ़ाना है।

   “उक्त अनुच्छेद पर एक प्रशन बनाइए।"

9. अपने क्षेत्र के किसी ग्रंथालय में जाइए और उस ग्रंथालय में उपलब्ध सूचना के प्राथमिक, द्वितीय और तृतीयक स्रोतों की सूची बनाइए।

10. ऐसे पाँच बिंदुओं पर एक टिप्पणी लिखिए जो आपके अनुसार पाठ्यपुस्तक में तो होते हैं, परंतु संदर्भ ग्रंथ में नहीं।